

Q

Printed Pages : 4

B.A.M.S. (Ist Year) (Prof.)

Roll No. : 183070810130

8008



B.A.M.S. (Ist Year) (Professional) Examination, 2018

(New Course)

मौलिक सिद्धान्त एवं अष्टांग हृदय (सूत्रस्थान)-I

[Eighth Paper]

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ, ब एवं स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन कीजिए। खण्ड अ, ब एवं स क्रमशः 40, 20 एवं 40 अंकों के हैं।

खण्ड-अ

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड में एक प्रश्न है, जिसके आठ उप-प्रश्न हैं। इसमें प्रत्येक उप-प्रश्न की शब्द सीमा 100 शब्द है। इस खण्ड के सभी उप-प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक उप-प्रश्न 5 अंकों का है। इस खण्ड के प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

8008/220

(1)

[P.T.O.]



COLLECTION OF VARIOUS
-> HINDUISM SCRIPTURES
-> HINDU COMICS
-> AYURVEDA
-> MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**

 **KAPWING**

1. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए :

- (क) अष्टांग हृदय का प्रयोजन लिखते हुए आयुर्वेदावतरण क्रम का वर्णन कीजिए।
- (ख) त्रिविध दोषों का वर्णन कर उनका जठराग्नि एवं कोष्ठ से सम्बन्ध स्थापित कीजिए।
- (ग) 'शरीरजानां दोषाणां क्रमेण परमौषधम्, श्लोकांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।
- (घ) उद्धर्तन एवं व्यायाम पर टिप्पणी लिखिए।
- (ङ) वर्षा ऋतु का लक्षण एवं उसकी ऋतुचर्या का वर्णन कीजिए।
- (च) बृहत्पञ्चमूल एवं लघुपञ्चमूल का वर्णन कीजिए।
- (छ) अतिनिद्रा एवं अनिद्रा की चिकित्सा लिखिए।
- (ज) संसर्जन-क्रम का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ब

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड के चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। इस
खण्ड में भी प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

8008/220

(2)

2. वात एवं पित्त के उपक्रम लिखिए।

3. 'मलो हि देहात् उत्क्लेश्य ह्रियते वाससो यथा' की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

4. स्थूल एवं कृश की सामान्य चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

5. शिरोबस्ति विधि का वर्णन करते हुए इसकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड के चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। उत्तर 600 शब्दों में लिखिए। इस खण्ड में भी प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

6. 'बस्तिचिकित्सार्द्ध' को सिद्ध कीजिए।

7. सुरसादिगण, पटोलादिगण, परुषकादिगण और गुडूच्यादिगण के प्रमुख द्रव्यों के नाम एवं उपयोग लिखिए।

8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रत्यञ्जन

(ख) प्रतिसारण

(ग) अणु तैल निर्माण विधि

(घ) मात्रा बस्ति

9. अष्ट प्रकृति, तंत्र दोष, तंत्र गुण का वर्णन कीजिए।

----- X -----

Q

Printed Pages : 4

B.A.M.S. (I-Prof.)

Roll No. :

8008

B.A.M.S. (I-Prof.) Examination, 2019

(Main/Complementary)

(New Course)

**MAULIK SIDDHANT AVAM ASTANG
HRIDAYA-I**

[Eighth Paper]

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों, तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जायें।

खण्ड-अ

(अतिलघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड में केवल एक प्रश्न है जिसके आठ उप-प्रश्न हैं। इसमें प्रत्येक उप-प्रश्न की शब्द सीमा 100 शब्द है। सभी उप-प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक उप-प्रश्न 5 अंकों का है।

8008/240

(1)

[P.T.O.]

1. (क) ऋतु सन्धि
(ख) दशविध पाप
(ग) आम
(घ) ओज का लक्षण, क्षय, वृद्धि का कारण
(ङ) जीवनीय गण
(च) उत्तर बस्ति
(छ) क्षार पाक विधि
(ज) स्वेदन के चार प्रकार

खण्ड-ब

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड के चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए।

2. षड् ऋतुओं का नाम लिखते हुए, शरद ऋतु चर्या का वर्णन कीजिए।
3. शरीरजानां दोषाणां क्रमेण परमौषधम्। वस्तिविरिकोवमन तथा तैलं घृतं मधु॥ की सन्दर्भ सहित व्याख्या करते हुए, पंचकर्म चिकित्सा



COLLECTION OF VARIOUS
-> HINDUISM SCRIPTURES
-> HINDU COMICS
-> AYURVEDA
-> MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**

 **KAPWING**

का महत्व बताइये।

4. वस्ति से क्या तात्पर्य है ? वस्ति के विविध भेदों का वर्णन करते हुए, इसके महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
5. वृंहण के योग्य मनुष्य, वृंहण औषध तथा स्थौल्य एवं काश्य की परिभाषा एवं औषधि का वर्णन कीजिए।

खण्ड-स

(दीर्घलघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड के चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

6. मात्राऽशित्तीय अध्याय के विषय-वस्तु का सविस्तार वर्णन कीजिए।
7. विषदाता के लक्षण, विषाक्त अन्न की अग्निपरीक्षा तथा विरुद्धाहार का वर्णन कीजिए।
8. “दोष धातु मला मूलं सदा देहस्य” की सन्दर्भ सहित व्याख्या करते हुए, धातुओं की क्षय तथा वृद्धि का लक्षण बताइए।
9. “नासा हि शिरसो द्वारं” का आशय स्पष्ट करते हुए नस्य विधि, नस्य के भेद तथा अणुतैल निर्माण विधि का वर्णन कीजिए।

----- x -----